बर्षः- 06
अंकः- 01
मुरादाबाद
(Wednesday)
22 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति मुर्मू-PM मोदी ने दी बधाई, कहा- देश निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे सिविल सेवक

सिविल सर्विस डे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिविल सेवकों को शुभकामनाएं दीं और देश के विकास में उनकी भूमिका की सराहना की।सिविल सर्विस डे के मौके पर देशभर में सिविल सेवकों के योगदान को याद किया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे देश के सुशासन और विकास की रीढ़ हैं और देश निर्माण में उनकी भूमिका बेहद अहम है। राष्ट्रपति मुर्मू का संदेश- राष्ट्रपति मुर्मू ने द्रौपदी मुर्मू ने सिविल सेवकों को बधाई देते हुए कहा कि वे सुशासन को मजबूत करने और संस्थानों को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतियों के निर्माण से लेकर उनके प्रभावी क्रियान्वयन तक, सिविल सेवकों का काम लाखों लोगों के जीवन पर असर डालता है। उन्होंने आगे कहा %जैसे-जैसे भारत नई आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ रहा है, आपकी ईमानदारी और सहानुभूति अंतरालों को पाटने, समावेशिता को बढ़ावा देने और राज्य तथा उसके नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आप सार्वजनिक सेवा के उच्चतम मानकों को बनाए रखना जारी रखें और एक अधिक न्यायसंगत और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण में सार्थक योगदान दें। जमीनी स्तर से लेकर नीति निर्माण तक योगदान- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सिविल सेवकों को बधाई देते हुए कहा कि वे देश निर्माण की मजबूत कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर से लेकर नीति निर्माण तक सिविल सेवक भारत की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा यह सुशासन और राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने के संकल्प को और मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कामना की कि सिविल सेवक उत्कृष्ट प्रदर्शन, करुणा और नवाचार के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहें। सिविल सर्विस डे पर उपराष्ट्रपति का संबोधन आज- भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन आज 18वें सिविल सर्विस डे के अवसर पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सिविल सेवकों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में सरकार की समावेशी विकास और जन-केंद्रित शासन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया जाएगा। यह आयोजन कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अंतर्गत प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG) द्वारा विज्ञान भवन में किया जा रहा है।

इस वर्ष का विषय विकसित भारत~ जन-केंद्रित शासन और अंतिम छोर तक विकास% रखा गया है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कार्मिक मंत्रालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह संबोधित करेंगे, जबकि कैबिनेट सचिव टी. वी. सोमनाथन स्वागत भाषण देंगे। इसके बाद 'सिविल सेवाओं की भूमिका और प्रभावशीलता' विषय पर एक पैनल चर्चा होगी, जिसमें सरकारी, उद्योग और नीति संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्रियों ने दी शुभकामनाएं- सिविल सर्विस डे के अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों ने भी सिविल सेवकों को शुभकामनाएं दीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोक सेवकों को बधाई देते हुए कहा कि नीतियों को लागू करने, शासन को मजबूत बनाने और नागरिकों की ईमानदारी से सेवा करने में उनका समर्पण राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह अवसर उनकी सेवा भावना को और मजबूत करेगा।

वहीं, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पर सिविल सेवकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पण और ईमानदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों का योगदान देश की प्रगति को दिशा देता है और उनकी मेहनत जनकल्याण में विश्वास को मजबूत करती है। गौरतलब है कि हर साल 21 अप्रैल को मनाया जाने वाला सिविल सर्विस डे, देश के प्रशासनिक अधिकारियों के योगदान को सम्मान देने का अवसर है। यह दिन 1947 में सरदार वल्लभभाई पटेल के उस संबोधन की याद में मनाया जाता है, जिसमें उन्होंने सिविल सेवकों को भारत का स्टील फ्रेम% कहा था।

भाजपा की पदयात्रा पर अखिलेश ने ली चुटकी, सीमा राजभर बनीं सपा महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

भाजपा की पदयात्रा पर अखिलेश यादव ने चुटकी ली। कहा कि पहली बार कोई सरकार विपक्ष में बैठने के लिए अभी से मेहनत कर रही हैराजधानी लखनऊ में मंगलवार को सपा मुख्यालय में कई कई नेताओं ने समाजवादी पार्टी का दामन थामा। इसमें बसपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एमएच खान, श्यामलाल निषाद, विजय कुमार लाल, अखिलेश पाठक, इशरत अली खान, नीलू सत्यार्थी शामिल रहे। सपा मुखिया अखिलेश यादव की मौजूदगी में ये पार्टी में शामिल हुए।

इस मौके पर सीमा राजभर समाजवादी महिला सभा की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित की गईं। वे बलिया की रहने वाली हैं।इस मौके पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा। सुबह हुई भाजपा की पदयात्रा पर चुटकी ली। कहा कि इतनी धूप में बिना चश्मा लगाए पद यात्रा की गई। पहली पर कोई सरकार अपने ही बिल पर इतनी मेहनत कर रही है। अब जब भाजपा जाएगी तो फिर कभी नहीं आएगी। चायवाले की दुकान बंद करा दी गई-

उन्होंने कहा कि हमें एक चायवाले लड़के ने चाय क्या बनाकर पिला दी, उसकी दुकान ही बंद करा दी गई। ये लोग किसी को रोजगार तो दे नहीं पा रहे, कम से कम कोई था जो कह रहा था कि हमसे अच्छी चाय कोई नहीं बना पाता। शायद, यही बात उन्हें बुरी लग गई। सपा मुखिया ने कहा कि महिला आरक्षण बिल पहले ही पास हो चुका है। इस बार इनकी बदनीयती नहीं पास हुई। ये दरारवादी लोग हैं। इनके संघी साथी जो छिपे हुए रहते हैं, उनके मंसूबे काम नहीं किए। आज आरक्षण से पहले संरक्षण की जरूरत है। जो महिला आरक्षण बिल पास हुआ वो क्या था? उन्होंने सीएम योगी के स्टेटमेंट %तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा% पर भी चुटकी ली। कहा कि ये शायद वनस्पति का असर है। कहा कि भाजपा बार बार झूठ का पाठ पढ़ाती है। सदन बुलाया गया है। सदन में सरकार ये बताए कि जो महिला आरक्षण बिल पास हुआ वो क्या था?

संक्षिप्त समाचार

परिसीमन जोड़ महिला आरक्षण टाल रही सरकार: सोनिया-राहुल के पत्र का जिक्रकर जयराम रमेश ने कहा- फिर देरी क्यों?

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर महिला आरक्षण लागू करने में देरी का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी पहले ही पत्र लिखकर इसे तुरंत लागू करने की मांग कर चुके थे, लेकिन सरकार ने इसे परिसीमन से जोड़कर टाल दिया।कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण लागू करने में देरी करने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी पहले ही प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण तुरंत लागू करने की मांग कर चुके थे, लेकिन मोदी सरकार इस मुद्दे पर सोती रही और बाद में इसे परिसीमन से जोड़कर टालने की कोशिश की।जयराम रमेश ने साझा किया सोनिया का पत्र- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वर्ष 2017 में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा से पारित कराने की अपील की थी। लिखा था कि कांग्रेस पार्टी हमेशा इस कानून के समर्थन में रही है और आगे भी रहेगी, क्योंकि यह महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम होगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया था कि पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं को आरक्षण देने की पहल सबसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और कांग्रेस ने की थी

अगरतला में बोले RSS प्रमुख मोहन भागवत- 2000 साल के प्रयोगों के बाद दुनिया थकी, अब भारत की राह देख रही

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया 2000 साल के प्रयोग के बाद थक गई है और अब भारत की राह देख रही है। आरएसएस प्रमुख त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत ने दुनिया की मौजूदा स्थिति और भारत की भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया। वे मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने अपने संबोधन में पिछले करीब 2000 वर्षों के वैश्विक इतिहास और उसके अनुभवों का जिक्र किया। 2000 साल के प्रयोगों के बाद दुनिया थकी%- अपने भाषण में उन्होंने कहा कि दुनिया ने अलग-अलग व्यवस्थाओं को अपनाकर प्रयोग किए। पहले राजाओं को सारी शक्ति दी गई, लेकिन समय के साथ कई शासक अपनी ही जनता का शोषण करने लगे। इसके बाद लोगों ने ईश्वर को सर्वोच्च मानकर भक्ति आधारित धर्मों को अपनाया, लेकिन शांति की तलाश में शुरू हुए ये रास्ते भी कई बार हिंसा और खून-खराबे में बदल गए। विज्ञान ने इंसानों को कई सुख-सुविधाएं दीं- आरएसएस प्रमुख ने आगे कहा कि इसके बाद विज्ञान का दौर आया, जहां लोगों ने यह मानना शुरू किया कि केवल वही सच है जिसे प्रयोगशाला में साबित किया जा सके। इस दौरान विज्ञान ने इंसानों को कई सुख-सुविधाएं दीं, लेकिन असली संतोष आज भी नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में दुख, परिवारों का टूटना, अपराध और युद्ध जैसी समस्याएं बनी हुई हैं उन्होंने यह भी कहा कि जितना विकास हो रहा है, उतना ही पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है।अब भारत की राह देख रही दुनिया%- अपने संबोधन के आखिरी में उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय तक कई प्रयोगों के बाद अब दुनिया भारत की परंपराओं और ज्ञान की ओर उम्मीद से देख रही है। उनके अनुसार, मानवता को सही दिशा दिखाना भारत की जिम्मेदारी है और यही भारत के अस्तित्व का उद्देश्य भी है।

कभी लौह अयस्क का केंद्र रहा कुल्टी, TMC राज में बंदी की कगार पर;रैली में शाह की हुंकार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दार्जिलिंग के बाद कुल्टी में आयोजित जनसभा में कहा कि कभी लौह अयस्क का केंद्र रहा कुल्टी आज मौजूदा सरकार की नीतियों के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच गया है।पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल तेज हो चुका है और दार्जिलिंग के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कभी कुल्टी देश में लौह अयस्क उत्पादन का बड़ा केंद्र हुआ करता था, लेकिन मौजूदा सरकार की नीतियों के कारण यह क्षेत्र अब बंद होने की कगार पर पहुंच गया है।अमित शाह ने आरोप लगाया कि राज्य में औद्योगिक विकास की अनदेखी की गई है, जिससे कई पारंपरिक उद्योगों पर संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सही नीतियां अपनाई जातीं, तो कुल्टी जैसे क्षेत्र आज भी देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा सकते थे। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल भाजपा उम्मीदवार को विधायक बनाने या पार्टी कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पूरे बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराना है।अमित शाह ने जनता से अपील करते हुए कहा कि 23 तारीख को कमल के निशान पर वोट दें और चार मई को भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में मौजूद हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी।दार्जिलिंग आयोजित जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य की राजनीतिक स्थिति पर तीखा बयान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की मांग अब तेज हो रही है और जनता परिवर्तन की दिशा में सोच रही है। अमित शाह ने गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो गोरखा बहनों और भाइयों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

'BJP की विभाजनकारी नीति से जनता को नफरत : तमिलनाडु में केजरीवाल बोले- DMK को हराना मुश्किल, स्टालिन होंगे CM

अरविंद केजरीवाल ने तमिलनाडु में डीमके के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोग भाजपा की विभाजनकारी राजनीति को पसंद नहीं करते और इसी कारण पार्टी राज्य में मजबूत आधार नहीं बना सकी। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने तमिलनाडु में डीमके के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा पर निशाना साधा। आप नेता ने कहा कि कि तमिलनाडु के लोग भाजपा और उसकी विभाजनकारी व कटु राजनीति से नफरत करते हैं, यही वजह है कि पार्टी लंबे समय तक राज्य में अपनी मजबूत पहचान नहीं बना सकी।भाजपा बिहार की तरह यहां भी अपना मुख्यमंत्री बनाएगी - उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा को 27 सीटें मिली हैं और वह,द्धष्ठरूय के साथ गठबंधन में है, लेकिन सभी जानते हैं कि एआईएडीएमके पूरी तरह भाजपा के प्रभाव में है। केजरीवाल ने दावा किया कि अगर एनडीए को एक भी सीट मिलती है, तो भाजपा बिहार की तरह अपना मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश करेगी।गठबंधन पर क्या बोले केजरीवाल?- -केजरीवाल ने लोगों से भाजपा, एनडीए और एआईएडीएमके से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि एनडीए का मतलब भाजपा ही है और यह सिर्फ गठबंधन का नाम भर है। केजीवाल ने दिल्ली का क्यों दिया उदाहरण?- दिल्ली का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल लोगों ने भाजपा को वोट देकर सरकार बनाई, लेकिन एक साल के भीतर ही लोग उससे परेशान हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, सड़क, बिजली और पानी के क्षेत्र में उनकी सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों को भाजपा ने नुकसान पहुंचाया। उन्होंने दावा किया कि अगर तमिलनाडु में लोगों ने गलती से भाजपा, एनडीए या एआईएडीएमके को वोट दिया, तो पिछले पांच वर्षों में DMK सरकार द्वारा किए गए विकास कार्य और जनकल्याण योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। केजरीवाल ने कहा कि अगर जनता राज्य में जारी कल्याणकारी योजनाएं, राहत कार्यक्रम और विकास कार्य जारी रखना चाहती है, दक्षिणी राज्यों के साथ भेदभाव होगा और उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी प्रभावित होगी। केजरीवाल ने सीएम एमके स्टालिन की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और जो भी अच्छा काम करता है, उसका समर्थन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को ज्यादा महत्व देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि तमिलनाडु में उसकी कोई खास मौजूदगी नहीं है।

संपादकीय Editorial

Questions and Doubts on Delimitation

India's former Chief Election Commissioner, S.Y. Qureshi, warns that if delimitation is relied upon, the women's reservation law will only be implemented by the 2034 general elections. If women are to be given participation in political and policy-making, a 50% formula can be used to allocate seats. For example, according to the electoral mandate received by the BJP-NDA, they have a total of 292 seats in the Lok Sabha. By adding 50%, or 146, to this total, these seats can be reserved for women. Similarly, 116 more seats can be added to the opposition's 233 seats. Since the amendment bill will increase the Lok Sabha from 543 to 815, with 33% reserved for women, this means that 273 women will be able to become MPs. The former Chief Election Commissioner estimates that the census that has begun will continue until 2027. The results may take so long to be compiled that the 2029 general elections appear imminent. If delimitation is or is to be based on the 2011 population of over 1.21 billion, it would be fundamentally inconsistent and inconsistent, given the country's current population of over 1.476 million. Isn't there a difference between the two censuses? Can delimitation reflect the growth, expansion, and geographical changes of the current population based on the old population? Delimitation should not be based on the government's whims. Of course, the Delimitation Commission is constituted under the chairmanship of a current or former Supreme Court judge, and its findings cannot be challenged in any court. Nevertheless, Parliament's approval of the Commission's report is mandatory, and then the President's approval is the final decision. Some cases in Jammu and Kashmir and Assam, after delimitation, have emerged that are so unbalanced and unequal that the integrity of the delimitation process can be questioned and doubted. The constitutional amendment on the "Nari Shakti Vandan Act" introduced in the Lok Sabha may have already been divided, or the opposition may have opted for a mass walkout! We will analyze this later, as this development was scheduled to take place by Friday evening. However, even before this constitutional amendment, late Thursday night, the government notification for the law passed in 2023 was issued. What "technical reasons" could this be? This is an insult to democracy and Parliament, as the debate on women's reservation was ongoing in Parliament. In the discussions so far, opposition parties like the Congress, Samajwadi Party, Trinamool Congress, DMK, and CPM have not superficially opposed women's reservation, but have certainly raised questions and doubts about the violation of federalism and democracy through delimitation. We still haven't understood how many times a day the opposition admits to the "murder of democracy" and then resorts to politicking under the guise of democracy. Democracy never dies, but the existing systems, the inconsistencies that are weakening us, must change. Currently, there are 74-75 women MPs in the Lok Sabha, representing 13.6% of the population. The Rajya Sabha also averages around 17%, with 41 women MPs. If the Women's Reservation Act is finally implemented, the number of MLAs in state assemblies will increase from 4,123 to 6,186. Thousands of women are active in panchayats, district panchayats, block councils, and local municipal bodies. They are also gaining administrative experience. They are no longer "dumb dolls," innocent, but are full of political consciousness and awareness. "Half the country's population" deserves representation at the Parliament and Legislative Assembly levels. In that sense, this law could prove to be a truly.

Learn from philosophers: Old age is not a time of decline, but a time of spiritual growth.

If a person continues to learn new things and keeps himself active, his mind can never age. The best example of this is the great philosophers who wrote their best works in old age. Old age is the twilight of life, often mistaken for "decline," but it is the golden age of maturity and spiritual triumph. For those who accumulate good qualities and knowledge throughout their lives, the final stage of life becomes the happiest time. People often fear old age because they believe it removes them from active life, weakens the body, robs them of sensual pleasures, and brings them closer to death. While old age may remove a person from physical labor, it also elevates them to the highest peaks of mental and intellectual pursuits. For example, in sailing a large ship, it's not just the young men who climb the masts or scurry about on deck who are most important, but the older, more experienced captain who calmly holds the helm. Great feats are accomplished not by physical strength or agility, but by experience, character, and judgment, which mature with time.

If an elderly person continues to learn new things and keeps their mind active, their intellectual edge can never diminish. A prime example of this is the great philosophers who wrote their best works in their old age. Old age frees us from the tumult of physical desires and impulses that often cloud reason in youth. This "end of sensual pleasures" is actually the beginning of freedom for the soul, where one can find true joy in self-reflection and meaningful dialogue. Old age is like a fruit. Just as it takes strength to pluck an unripe fruit from a tree, but a ripe fruit falls easily on its own, so too, for an elderly person who has lived a full and virtuous life, the end is also smooth and peaceful. Therefore, old age is not a "death," but a sweet "fruit" of life's experiences.

Why Junk Food Doesn't Have Star Ratings: Healthy Eating Is Everyone's Right

The Food Safety and Standards Authority of India has come up with a proposal that would provide a benchmark based on certain parameters to determine whether a product is healthy or not. Product labels will help us determine whether a food is nutritious or not. We've all become accustomed to this: when purchasing an electrical appliance, the shopkeeper always indicates its five-star rating, indicating how much electricity it consumes. We're interested in purchasing such appliances to reduce our electricity bills. But why don't we apply this same approach to our own bodies and food? Imagine the next time you go to the store, or order chips, cold drinks, or something online from Blinkit or Zepto, and check their five-star rating before purchasing! Wouldn't that be wonderful? While it's not like the statutory warning on cigarettes, it would provide a benchmark based on certain parameters to determine whether a product is healthy or not. Is it too high in sugar or salt? And whether refined flour or ultra-processed chemicals have been used in the product? In fact, an Indian government agency is considering a similar proposal. But big companies don't want their truth to reach you. The Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI), which certifies food products, has proposed that every junk food item be labeled with a five-star label. This is called "Front of Pack Nutrition Labeling" (FOPNL). Until now, the nutritional value of a food item has always been printed on the back of the package through a table that no one reads. This is why this new formula for health star ratings has been introduced. The FOPNL will be a warning label. If the salt or sugar content in a product exceeds the prescribed standard, the label will be colored red. In addition, a Nutri-Score is also proposed. For example, dark green is the healthiest, green is healthy, yellow is moderate, orange is slightly more harmful than moderate, dark orange is extremely harmful, and bright red is extremely dangerous. Furthermore, Health Star Rating (HSR) is another provision. Stars are awarded here, from 0.5 to five. The more stars, the healthier the product. This becomes essential because India is becoming a global health capital. India has the second-highest diabetes burden in the world. An estimated 11.4% of Indians suffer from diabetes, which is higher than the global average. Obesity is also a serious problem. The prevalence of obesity among women increased from 12.6% in 2005-06 to 24% in 2019-21, while among men, it increased from 9.3% to 22.9%. Over 27 million children and adolescents in India suffer from obesity. Packaged foods and ultra-processed foods are largely responsible for this. Packaged food satisfies hunger quickly, but its adverse effects are also visible on our health. Anti-obesity medications are now being sold in India, with Ozempic and Monjaro injections being examples. This means we are grappling with the underlying problem while also bearing the burden of its treatment and medication. This is not a good practice. In such a situation, rating and labeling is a good step. However, the industry is opposed to this move. They believe that this rating system is not tailored for India. Industry members say that the labeling system proposed by the Food Safety and Standards Authority of India is inspired by models from countries like France, Belgium, Australia, Chile, Israel, Mexico, and Peru, and does not take into account India's diverse dietary habits and realities. They also point out that people in Western countries consume more processed (prepared packaged) foods, while this is less the case in India. Here, less than 12 percent of total calories come from processed and ready-to-eat foods. The remaining approximately 88 percent of food is home-cooked or traditionally sourced from outside. The argument is that many Indian habits, such as pickles, sweets, and butter, are consumed in moderation. If foreign regulations are imposed, the side effects will be exaggerated, while actual consumption is low. However, no doctor is willing to accept this argument. Public health experts and nutrition scientists say that FOPNL will help consumers. Many people don't take the time to read detailed nutritional information on packages. In such cases, simple warning labels can immediately inform them. They acknowledge that our eating habits are different, but they say that excess sugar is harmful. If people reduce even just one teaspoon of sugar, it can make a big difference. But regardless of the food, if it is harmful, why not provide warnings? Many institutions, including the Supreme Court, are actively discussing this issue. The Court has even stated that public health takes precedence over industry interests. The FSSAI should develop a clear and effective FOPNL framework without delay. If necessary, the court itself can intervene. Yet, FSSAI hasn't yet moved forward with 2022. In this situation, the country, and you, must decide which side you want to support: a junk food company or your own health, because your health will only be five-star if your food is five-star. Healthy eating should be everyone's right, and food products should be considered safe. Security of the internet is not only a protection for the consumers, it is also very beneficial for the socio-economic interests of the country.

Women's Reservation Act Special: The State of Women MPs in the 21st Century Lok Sabha

If we consider the current Lok Sabha of 2024, the highest number of women MPs have come from Bengal. Eleven women MPs were elected from Bengal, all from the Trinamool Congress. Looking at the number of women MPs in the 21st century Lok Sabha, 45 women MPs were elected in 2004. This was followed by 59 women in 2009, 62 women in 2014, 78 women in 2019, and 74 women in 2024. A total of 228 women MPs have been elected in five Lok Sabha elections in the 21st century. This figure represents 41.98% so far in the entire century. This represents a 33% percentage point in the five Lok Sabha elections. If we consider the current Lok Sabha of 2024, the highest number of women MPs have come from Bengal. Eleven women MPs were elected from Bengal, all from the Trinamool Congress. Uttar Pradesh and Maharashtra are next, with seven women MPs each. Madhya Pradesh is third, with six women elected, all from the BJP. Five women MPs each have been elected from Bihar and Tamil Nadu, four each from Gujarat and Odisha, three each from Karnataka, Rajasthan, and Chhattisgarh, two each from Telangana, Jharkhand, and Delhi, and one each from Kerala, Assam, Punjab, Haryana, Uttarakhand, Himachal Pradesh, Tripura, and Dadra Nagar Haveli-Daman Diu. Seven states and six union territories have not elected a single woman MP to the current Lok Sabha. The seven states are Goa, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland, Sikkim, and Arunachal Pradesh. The six union territories are Jammu and Kashmir, Ladakh, Andaman and Nicobar Islands, Chandigarh, Lakshadweep, and Puducherry. These seven states have elected 11 women MPs, and six union territories have elected 10 women MPs, making a total of 21 MPs. Looking at the representation of women MPs by party, the BJP has the highest number of women MPs, with 32. Congress is second with 14, and the Trinamool Congress is third with 11. The Samajwadi Party has five women MPs, the DMK three, and Apna Dal, NCP Sharad Pawar, JDU, RJD, YSR Congress, TDP, JMM, and United Akali Dal have one woman MP each. However, the Women's Reservation Act 2023 (Nari Shakti Vandan Act) has been officially implemented through the Government of India's gazette on April 16, 2026. Under this law, 33% of seats in the Lok Sabha and state assemblies will be reserved for women, but only after the delimitation process, which is expected to be fully implemented by 2034.

पापा की पिटाई का लेकर रहूंगा बदला, खून से लाल फर्श, दीवारों पर दूर तक छींटे, दंपती का क्रूरता से कत्ल

मुरादाबाद में दंपती की हत्या में बेरहमी की हदें पार कर दी गईं। पति-पत्नी ने अपनी जान बचाने को लेकर संघर्ष भी किया था लेकिन आरोपियों की संख्या ज्यादा थी, कुछ कर नहीं पाए। पति-पत्नी की हत्या की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम भी बुला ली गई।मुरादाबाद के सिविल लाइंस थाना इलाके के चक्कर की मिलक में सोमवार की रात आठ बजे घर के भीतर बच्चों के सामने राजा (30) और उसकी पत्नी फराह (26) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। बच्चों की चीख पुकार सुनकर आस पड़ोस के लोग आए तो हत्यारोपी मौके से भाग गए। पुलिस का कहना है अब तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक मकान को लेकर कोई विवाद है। यह मकान एक साल पहले खरीदा गया था।

मगर अभी तक रजिस्ट्री नहीं हुई थी। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। एसएसपी सतपाल अंतिल के मुताबिक सिविल लाइंस के चक्कर की मिलक निवासी राजा (30) ने करीब एक साल पहले पड़ोसी फहीम से रामगंगा किनारे बना एक कमरे का मकान दो लाख 24 हजार रुपये में खरीदा था। पॉलिश का काम करने वाले राजा ने दो लाख रुपये देकर मकान पर कब्जा ले लिया था। राजा इस मकान में अपनी पत्नी फराह (30), बेटी अफ्शा (8), बेटे आतिफ (5) और डेढ़ साल के दूसरे बेटे अब्बास के साथ रह रहा था। फहीम ने मकान की रजिस्ट्री नहीं कराई गई थी। अब फहीम 24 हजार के बजाए 40 हजार रुपये लेकर मकान की रजिस्ट्री कराने की बात कर रहा था। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि रविवार की शाम भी राजा और फहीम के बीच विवाद हुआ था। राजा ने फहीम की पिटाई की तो उसके हाथ में चोट आ गई थी। सोमवार की रात करीब आठ बजे राजा और उसकी पत्नी फराह कमरे में मौजूद थे। डेढ़ साल के बेटे अब्बास की तबीयत खराब थी और वह चारपाई पर लेटा हुआ था। जबकि बेटी अफ्शा और आतिफ मकान के सामने ही खेल रहे थे। इसी दौरान फहीम का बेटा फरजंद, अपने चचेरे आई और एक अन्य युवक के साथ राजा के घर में आ गया। आरोपियों ने राजा के साथ मारपीट शुरू कर दी। पत्नी बचाने आई तो उसके साथ मारपीट की। शोर शराबा सुनकर बेटी और बेटा भी कमरे में आ गए। इसके बाद आरोपियों ने बच्चों के सामने ही दोनों पर चाकुओं से हमला कर दिया। चाकू के दस से ज्यादा वार किए गए हैं। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस अधिकारियों के साथ डीआईजी मुनिराज ने भी घटना स्थल पर पहुंचे।घटनास्थल बयां कर रहा संघर्ष की कहानी, खून से लाल था फर्श

कमरे का फर्श खून से लाल हो गया और दीवारों पर दूर तक छींटे थे, जिससे देखकर लग रहा है कि पति-पत्नी ने अपनी जान बचाने को लेकर संघर्ष भी किया था लेकिन आरोपियों की संख्या ज्यादा थी, कुछ कर नहीं पाए। पति-पत्नी की हत्या की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम भी बुला ली गई।टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच-पड़ताल की। जिससे पता चला कि पति पत्नी ने अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष किया था। खून दूर तक फैला मिला है। फर्श के साथ ही चारपाई और कपड़े भी खून से सन गए थे। कमरे का कोई कोना नहीं बचा, जो खून से लाल न हो गया हो। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की और साक्ष्य संकलन किए हैं।फहीम के बेटे ने दी थी धमकी, पिता की पिटाई का लेकर रहूंगा बदला

मुरादाबाद में फहीम के बेटे फरजंद की धमकियों को राजा ने गंभीरता से नहीं लिया। उसने न तो पुलिस से शिकायत की और न ही खुद सतर्क हुआ। रविवार को हुए विवाद के बाद फरजंद ने धमकी दी कि वह अपने पिता की पिटाई का बदला लेकर ही रहेगा। आस पड़ोस और मोहल्ले के कई लोगों के सामने फरजंद ने राजा की हत्या तक करने की धमकी दी थीं।बताया जा रहा है कि राजा ने करीब एक साल पहले फहीम और आरिफ से दो लाख 24 हजार रुपये में मकान खरीदा था। दो लाख रुपये दे दिए गए थे और 24 हजार रुपये बकाया था। राजा ने मकान की रजिस्ट्री कराने के लिए कहा तो फहीम नए रेट के हिसाब से 16 हजार रुपये और मांगने लगा था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। राजा ने कर दी थी फहीम की पिटाई

रविवार की शाम राजा और फहीम के बीच मारपीट तक हो गई थी। इस दौरान फहीम के हाथ में चोट आई थी। उस वक्त फहीम का बेटा मौजूद नहीं था। वह घर लौटा तो उसे पता चला कि राजा ने उसके पिता की पिटाई की है। इसके बाद उसने मोहल्ले में शोर शराबा किया और राजा के घर पहुंच गया था।राजा ने धमकी को गंभीरता से नहीं लिया

उस वक्त राजा तो घर नहीं था लेकिन उसकी पत्नी और बच्चे मौजूद थे। उस वक्त वह धमकी देकर गया था कि वह राजा को देख लेगा। उसने मोहल्ले में लोगों के सामने धमकी दी कि वह राजा से अपने पिता की पिटाई का बदला लेकर ही रहेगा। इसकी जानकारी राजा तक पहुंची लेकिन राजा ने उसकी धमकियों को नजर अंदाज कर दिया था।

हत्यारोपी बच्चों को पहुंचा सकते थे नुकसान

पति-पत्नी की हत्या के दौरान उनके तीनों बच्चे भी वहीं मौजूद थे। वारदात के दौरान तो अब्बास मां की गोद से फर्श पर गिर गया था। उसके मुंह पर चोट आई है। अफ्शा और आतिफ को तो पता है कि उसके मां बाप की मौत हो चुकी है लेकिन अब्बास को इसका एहसास भी नहीं की वह अनाथ हो चुका है।पाट दी रामगंगा, मकान बनाकर बेच रहे लोग

चक्कर की मिलक में दोहरे हत्याकांड की जानकारी मिलने पर पुलिस किसी तरह घटनास्थल तक पहुंची। तंग गलियों के बीच पुलिस अफसरों को अपनी गाड़ियां निकालने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। बाद में गाड़ियों से उतर कर पैदल ही घटनास्थल तक पहुंचे।

चक्कर की मिलक में शाह बुलाकी ज्यारत से लेकर घटनास्थल चक्कर की मिलक में नाला मोहल्ले तक भीड़ ही भीड़ नजर आ रही थी। जिस मकान को लेकर विवाद चल रहा था। वह रामगंगा किनारे बना हुआ है। इसके अलावा भी आस-पड़ोस में रामगंगा की जमीन को पाट दिया गया है। लोगों ने पुलिस को बताया कि यहां लोग रामगंगा की जमीन को पाट कर उसे बेच रहे हैं। कोई प्लाटिंग कर रहा है तो कोई मकान बनाकर बेच रहा है। अफ्शा ने पुलिस अधिकारियों को बताया फरजंद का नाम डीआईजी मुनिराज जी ने अफ्शा को अलग ले जाकर बात की। उसने बताया कि वह फरजंद का नाम जानती है। फरजंद के साथ उसका चचेरा भाई है जबकि तीसरे का नाम वह नहीं जानती है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग छात्रों के स्कूटी-बाइक चलाकर स्कूल आने पर लगेगी रोक

जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें

जर्जर व टूटी सड़कों का मुद्दा गूंजा। जिलाधिकारी ने सड़क हादसे रोकने के लिए सड़कों को प्राथमिकता पर जल्द ठीक कराने और पथ प्रकाश व्यवस्था सुधारने का कड़ा निर्देश दिया। कहा कि लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कक्षा एक से कक्षा 12 तक के कम उम्र के छात्र-छात्राओं के स्कूटी व बाइक से स्कूल जाने पर कहा कि परिवहन विभाग के अधिकारी इस दिशा में प्रभावी कदम उठाएं। ऐसे छात्र छात्राओं को रोका जाए जो बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाकर यातायात नियमों को तोड़ रहे हैं।जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग के अधिकारी से कहा कि विद्यालय प्रबंधन से मिलकर इसका सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराएं। विद्यालयों में गाइडलाइन उपलब्ध कराकर सुनिश्चित कराएं कि स्कूटी से जाने वाले बच्चों द्वारा किसी भी प्रकार से यातायात नियमों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटी उम्र के बच्चों द्वारा स्कूटी से विद्यालय जाने की परंपरा को प्रतिबंधित किया जाए। अभियान चलाकर विद्यालयों के प्रबंधकों की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। यह सुरक्षा से जुड़ा मामला है इसलिए गंभीरता जरूरी है। पिछली बैठक में दिए निर्देश के बारे में एआरटीओ आनंद निर्मल से पूछा। जिस पर उन्होंने बताया कि 779 स्कूली वाहनों के सापेक्ष 669 का सेफ्टी ऑडिट हो चुका है। नेशनल हाईवे पर साइड पट्टी क्लियर करने और बारिश के दौरान जल भराव की समस्या का समाधान कराने के लिए नेशनल हाईवे के मेंटीनेंस से संबंधित नोडल एजेंसी को निर्देश दिया। अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को सड़कों की सफाई कराने के लिए कहा। संभल मार्ग पर राहगीरों की सुविधा के लिए प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। बैठक में एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, लोनिवि के अधिशासी अभियंता कुलदीप संत, जिलापूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी विमलेश कुमार, स्मार्ट सिटी के महाप्रबंधक तकनीकी अनिल कुमार मित्तल सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। चाइनीज मांझे का प्रयोग करने वालों पर हो मुकदमा- जिलाधिकारी ने पतंग उड़ाने के लिए चाइनीज मांझे का प्रयोग कर आमजन को संकट में डालने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने का निर्देश दिया। कहा कि ऐसे लोगों से सख्ती से निपटें।सड़कों को करें दुरुस्त, होगी सुरक्षा- प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत जिले में बनी सड़कों के सेफ्टी ऑडिट के बारे में जिलाधिकारी ने पिछले बैठक में निर्देश पर कार्रवाई की जानकारी ली। कहा कि रंबल स्ट्रिप मानकों के अनुरूप अनिवार्य रुप से लगवाएं। चेतावनी संकेतक एवं थर्मोप्लास्ट पेंट भी अच्छी गुणवत्ता की लगी होनी चाहिए। नेशनल हाईवे पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट की मरम्मत के लिए जिलाधिकारी ने पुलिस, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई और मजिस्ट्रेट की संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश दिए।रिमॉडलिंग कार्य की दूर करें बाधा- हनुमान मूर्ति चौराहे पर रिमॉडलिंग कार्य में बाधा बन रहे 33 केवी एवं 11 केवी के विद्युत पोलों एवं विद्युत केबल को शिफ्ट न करने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। बिजली विभाग के अधिकारियों को तत्काल विद्युत पोल हटवाने के लिए कहा। अगवानपुर पुल के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से जानकारी ली। एमडीए के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुल पर लगे विद्युत पोल को सही कराएं जिससे पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनी रहे।

ठाकुरद्वारा बवाल: नारायणपुर छंगा में तनाव के बीच पुलिस और पीएसी तैनात, आंबेडकर पार्क की सुरक्षा की गई कड़ी

ठाकुरद्वारा के नारायणपुर छंगा में बवाल के बाद पुलिस टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। इसके साथ ही आंबेडकर पार्क की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि मामले की न्यायिक जांच की जाए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को नारायणपुर छंगा प्रकरण में एसडीएम को ज्ञापन दिया और घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने घटना की न्यायिक जांच, दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई और निर्दोषों का उत्पीड़न न होने देने की मांग भी की। घायलों का सरकारी खर्चे पर इलाज करने, क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत करने, गांव में स्थिति पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी मांग की गई है।ज्ञापन देने वालों में कांग्रेस के पूर्व नगर अध्यक्ष मोहम्मद सादिक सिद्दीकी, जिला महामंत्री संजीव सिंघल, अनुज चौधरी, अबरार सैफी, राजपाल सिंह, राकेश चंद्र, कन्हैयालाल, शरद, फिरासत समेत अन्य शामिल रहे। एसडीएम प्रीति सिंह ने बताया कि ज्ञापन को उच्च अधिकारियों को सौंप दिया गया है। ठाकुरद्वारा जा रहे शिवसैनिकों को पुलिस ने रोका- ठाकुरद्वारा जा रहे शिवसैनिकों को सोमवार की सुबह पुलिस ने बुधबाजार में रोक लिया। इसके बाद शिवसैनिकों ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। चेतावनी दी कि निष्पक्ष जांच नहीं होने पर शिवसैनिक आंदोलन करेंगे। शिवसेना के जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने बताया कि सोमवार की सुबह वह समर्थकों के साथ ठाकुरद्वारा के गांव नारायणपुर छंगा जाने की तैयारी कर रहे थे। इसकी भनक लगते ही पुलिस ने उनको बुध बाजार स्थित आवास पर समर्थकों के साथ रोक लिया। स्थानीय पुलिस का कहना था कि अभी ठाकुरद्वारा जाना ठीक नहीं है। इस मामले में उन्होंने सीओ से वार्ता कर पुलिस के रोके जाने का कारण पूछा। बातचीत के बाद शिवसैनिकों ने एसपी ग्रामीण को पुलिस कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा। आरोप लगाया कि ठाकुरद्वारा क्षेत्र में असामाजिक तत्वों ने ठाकुरद्वारा में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति को क्षतिग्रस्त किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक से शिवसैनिकों ने दोषियों के खिलाफ कार्यवाही और घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल में जिला प्रमुख के साथ कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, शिबू पांडे, अरुण ठाकुर, पंकज पाल, दीपक, रिंकू, सुरेश सैनी, अशोक सैनी, शरद कपूर आदि मौजूद थे। कैसे होगी निष्पक्ष जांच, जनप्रतिनिधियों को रोका जा रहा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष नवीन कुमार यादव ने कहा है कि रविवार को पार्टी की सांसद रुचि वीरा को पुलिस प्रशासन ने गांव में नहीं जाने दिया। इससे गांव के लोग जनप्रतिनिधियों के सामने अपनी बात नहीं रख सके। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पीड़ित पक्ष को निष्पक्ष जांच कर न्याय देने की मांग नवीन यादव ने की है। वहीं कहा है कि पार्टी हाई कमान का प्रतिनिधिमंडल भी नारायणपुर छंगा आ सकता है।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन कराएगी 7 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से 7 ज्योतिर्लिंग यात्रा करने का मौका इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) दे रही है। आईआरसीटीसी द्वारा गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात में द्वारकाधीश, भेंट द्वारिका, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिग्नेचर ब्रिज, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नासिक में त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, पंचवटी, कालाराम मंदिर, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, संभाजी नगर में घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं स्थानीय मंदिर यात्रा का संचालन किया जा रहा है। इसके लिए श्रेणी अनुसार कुल बर्थों की संख्या 751 है, जिसमें 2 एसी (कुल 49 सीटें), 3 एसी (कुल 210 सीटें) एवं स्लीपर (कुल 492 सीटें) हैं। यात्रा के दौरान ट्रेन में उतरने/चढने के लिए गोरखपुर, मनकापुर, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और ललितपुर स्टेशन निर्धारित किया गया है।उत्तर क्षेत्र लखनऊ के आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबन्धक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि इस पैकेज में 2 एसी, 3 एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी / नॉन एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है। इकोनामी श्रेणी (स्लीपर क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य 23500 रुपये प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5-11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य 22160 रुपये है।

(स्लीपर क्लास ट्रेन यात्रा, डबल / ट्रिपल पर नॉन एसी होटलों में ठहरने, नॉन एसी होटल के कमरे में मल्टी शेयर पर (शेयरिंग / नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था) है और स्टैंडर्ड श्रेणी (3 एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य 40000 रुपये प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5-11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य 38430 रुपये है । (3एसी क्लास ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर एसी होटलों में ठहरने, नॉन एसी होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था) है। कम्फर्ट श्रेणी (2 एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य 53260 रुपये प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5-11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य 51370 रुपये है। (2 एसी क्लास ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल पर एसी होटलों में ठहरने, एसी होटल के कमरे में डबल/ट्रिपल पर (शेयरिंग/नॉन शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) वॉश एंड चेंज एवं एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था) रहेगी। एलटीसी और ईएमआई की सुविधा भी- यात्रा सेवा में एलटीसी और ईएमआई की सुविधा भी उपलब्ध है। ईएमआई की सुविधा आईआरसीटीसी पोर्टल पर उपलब्ध सरकारी एवं गैर सरकारी बैंक से ली जा सकती है। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जाएगी। यात्रा की बुकिंग के लिए पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की बेवसाइट www.irctctourism.com से आनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

BSA कार्यालय शाहजहांपुर में घूसखोरी का भंडाफोड़, 10 हजार लेते रंगे हाथ दबोचे गए दो कर्मचारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली । उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन, बरेली की टीम ने सोमवार को शाहजहांपुर के बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) कार्यालय में छापेमारी कर दो कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

कार्रवाई ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में की गई, जिसमें निश्चय सिंह (जिला समन्वयक, बीएसए कार्यालय शाहजहांपुर) और अरुण कुमार (कंप्यूटर ऑपरेटर, आउटसोर्सिंग) को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया।

मामले की शुरुआत तब हुई जब शिकायतकर्ता रेनू शुक्ला, जो कंपोजिट स्कूल चौना बुजुर्ग (विकास खंड भावलखेड़ा, शाहजहांपुर) में सहायक अध्यापक हैं, ने आरोप लगाया कि उनकी अनुपस्थिति से जुड़ी फाइल के निस्तारण के लिए आरोपियों द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने सुनियोजित तरीके से ट्रैप बिछाया और सोमवार शाम करीब 5:45 बजे दोनों आरोपियों को बीएसए कार्यालय, शाहजहांपुर से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ दबोच लिया गया ।

गिरफ्तारी के बाद दोनों के खिलाफ थाना सदर बाजार, शाहजहांपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

मंगलवार को श्री हनुमान जी के जयकारों से गूंजा बरेली का श्री हरि मंदिर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली । श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन बरेली में मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ देखने को मिली। सुबह के सत्र में मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु पधारते है और श्री हनुमान जी की पूजा करते है । शाम के सत्र में श्री हरि संकीर्तन श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की रसधारा बहाई गई जिस मे रवि छाबड़ा ने है दु:ख भंजन मारुति नंदन.....,संजय आनन्द ने मंगल मूर्ति राम दुलारे.....,पंकज नेआज मंगलवार है .....,सचिन सेठी ने कीजे केसरी के लाल .....और भाई सौरभ ने राम भी मिलेगे तुझे श्याम भी मिलेगे.....जतिन दुआ ने झूम झूम नाचे देखो भक्त हनुमान .....आदि आदि भजनों से सारा श्री हरि मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया। उसके बाद सभी उपस्थित भक्तजनों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्री हनुमान जी की सामूहिक आरती हुई, व शयन आरती के पाश्चात्य सभी भक्तजनों में भंडारा प्रसादी का वितरण हुआ।

मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि सामूहिक श्री हनुमान चालीसा व आरती विगत कई वर्षों से श्री हरि मंदिर प्रांगण में हो रही है, आज के कार्यकम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा, अश्विनी ओबेरॉय,संजय आनन्द,गोविंद तनेजा,रंजन कुमार,अतुल कपूर,हरीश लुनियाल, राजेश अरोरा,गिरीश आनन्द,वा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा भी अपनी टीम के साथ शामिल रही। युवा मंडल के सदस्यों ने प्रसाद वितरण की सेवा की। समापन पर मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया और सभी भक्तजनों को भंडारा प्रसाद वितरण किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

SSP अनुराग आर्य ने 114 पुलिसकर्मियों को किया इधर से उधर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली । जनपद में कानून-व्यवस्था को और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। एसएसपी अनुराग आर्य की तबादला एक्सप्रेस ने पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है। मंगलवार को जारी आदेश के तहत कुल 114 निरीक्षक (इंस्पेक्टर) और उपनिरीक्षकों (चौकी इंचार्ज) के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया गया है। यह बड़े पैमाने पर किए गए स्थानांतरण जनहित, प्रशासनिक जरूरतों और रिक्त पदों को भरने के उद्देश्य से किए गए हैं। इस फेरबदल का मकसद न केवल पुलिस व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करना है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना भी है। बताया जा रहा है कि कई अनुभवी इंस्पेक्टरों को महत्वपूर्ण थानों और चौकियों की कमान सौंपी गई है, जबकि कुछ को नई जिम्मेदारियां देकर सिस्टम को और प्रभावी बनाने की कोशिश की गई है। इस कदम से पुलिसिंग में तेजी, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस प्रशासन का मानना है कि इस बड़े बदलाव से अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी और आम जनता को बेहतर सुरक्षा का माहौल मिलेगा।

बरेली पुलिस की बड़ी सफलता प्रदेश में लगातार नंबर वन पर , मोबाइल रिकवरी में साइबर सेल तीसरी बार हैट्रिक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली । बरेली 21 अप्रैल। बरेली पुलिस की साइबर सेल टीम ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर अपनी श्रेष्ठता साबित की है। मोबाइल रिकवरी के मामले में साइबर सेल ने लगातार तीसरी बार पहला स्थान हासिल कर बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। दरअसल, साइबर सेल बरेली ने सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए फरवरी और मार्च माह में उत्कृष्ट कार्य किया। मार्च महीने में जनपद में कुल 191 खोए मोबाइल फोन की शिकायतें दर्ज हुई थीं, जिनमें से 144 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए गए।

उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय, लखनऊ द्वारा जारी रैंकिंग में बरेली पुलिस ने इन आंकड़ों के आधार पर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह लगातार तीसरी बार है जब बरेली साइबर सेल ने मोबाइल रिकवरी में प्रदेश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन संबंधित पीड़ितों को विधिवत वापस सौंप दिए गए हैं, जिससे आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और भी मजबूत हुआ है। इस उत्कृष्ट कार्य में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम के अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बरेली पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि उनका मोबाइल फोन खो जाए या चोरी हो जाए तो तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर मोबाइल की बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

उर्से ताजुश्शरिया को लेकर प्रशासन सतर्क, 24-25 अप्रैल के आयोजन हेतु व्यापक तैयारियां पूरी

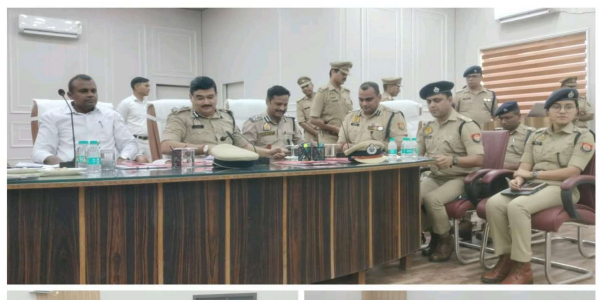

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली । बरेली । जनपद में 24 व 25 अप्रैल को आयोजित होने वाले उर्से ताजुश्शरिया के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में उच्च अधिकारियों, आयोजकों एवं प्रशासनिक टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा, मंडलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी, पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार साहनी, जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने कानून-व्यवस्था, ट्रैफिक, स्वास्थ्य एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।अधिकारियों ने पिछली बैठक में बताई गई कमियों की प्रगति रिपोर्ट ली और संबंधित विभागों से तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। यातायात पुलिस द्वारा प्रमुख मार्गों-झुमका तिराहा, परसाखेड़ा, कुदेशिया अंडरपास व नैनीताल रोड-पर डायवर्जन प्लान लागू करने की जानकारी दी गई।स्वास्थ्य विभाग की ओर से 102/108 एम्बुलेंस, मेडिकल मोबाइल यूनिट एवं स्वास्थ्य शिविरों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वहीं अग्निशमन विभाग ने भी पर्याप्त इंतजाम किए हैं।

उर्स के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को तीन सुपर जोन, पांच जोन और 13 सेक्टर में विभाजित किया गया है, जिससे बेहतर निगरानी सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आयोजन साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो तथा कोई नई परंपरा शुरू न की जाए, जिससे वातावरण प्रभावित हो सकता है।

विशेष रूप से 25 अप्रैल को उर्स के साथ-साथ होमगार्ड भर्ती परीक्षा भी आयोजित होने के कारण प्रशासन ने यातायात व सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। परीक्षार्थियों को समय से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

सोशल मीडिया पर भी नजर रखने और किसी भी भड़काऊ पोस्ट या बैनर से बचने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही वालंटियरों को आईडी कार्ड जारी करने व उनकी सूची उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने सड़क, पानी, बिजली, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, वहीं एसएसपी ने रात्रि गश्त बढ़ाने और किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कहा।

संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न, हीट वेव व मच्छरजनित रोगों से बचाव के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली । अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक मंगलवार को आयोजित हुई । बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी ने समस्त एमओआईसी को निर्देशित किया कि सभी अस्पतालों में हीट वेव से बचाव के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिससे मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डेंगू और मलेरिया का प्रकोप बढ़ रहा है, जिसकी मॉनिटरिंग सीधे विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा की जा रही है, ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि नालियों की नियमित सफाई, झाड़ियों की कटाई, एंटी लार्वा का छिड़काव तथा फॉगिंग कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, जिससे मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके। साथ ही जिन हैंडपंपों से दूषित पानी आ रहा है, उनका चिन्हांकन कर लाल निशान लगाने और लोगों को जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि एंटी लार्वा स्प्रे करने वाले कर्मियों को सही मात्रा और तकनीक की जानकारी होना आवश्यक है, इसके लिए प्रशिक्षण सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही सीडीपीओ को निर्देशित किया गया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं आशा बहुएं नियमित फील्ड विजिट कर प्रेरित किया जाए। इसके अलावा आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की फील्ड गतिविधियों की फीडिंग ई-कवच पोर्टल पर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर पांडे, समस्त एमओआईसी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे

हीटवेव का खतरा: पीलीभीत में बढ़ते तापमान पर प्रशासन सतर्क, जारी की एडवाइजरी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत । जनपद में बढ़ती गर्मी और लगातार चढ़ते पारे को देखते हुए प्रशासन ने हीटवेव (लू) को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि के आसार हैं, जिससे आमजन को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) ने बताया कि लू के प्रकोप से बचाव के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। बाहर निकलते समय सिर को ढकने, छाता या गमछा उपयोग करने और पर्याप्त मात्रा में पानी साथ रखने को कहा गया है। एडवाइजरी के अनुसार, शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए नियमित रूप से पानी पीते रहें। साथ ही ओआरएस, छाछ, लस्सी, नींबू पानी, नमक-चीनी का घोल और आम का पन्ना जैसे पेय पदार्थों का सेवन लाभकारी बताया गया है। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चों एवं पालतू जानवरों को बिल्कुल न छोड़ें। शराब, नशीले पदार्थ, चाय और कॉफी के सेवन से बचें तथा बासी और भारी भोजन न करें। घरों को ठंडा बनाए रखने के लिए खिड़कियों पर पर्दे या रिफ्लेक्टर लगाने, दिन में दरवाजे-खिड़कियां बंद रखने और रात में खोलने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, गर्मी के समय निचली मंजिल पर रहने और ठंडे स्थान पर अधिक समय बिताने को कहा गया है। अस्वस्थ महसूस होने, चक्कर आने या लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करने की अपील की गई है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे मौसम संबंधी सूचनाओं पर नजर रखें और जारी दिशा-निर्देशों का पालन कर खुद को सुरक्षित रखें।

जनगणना-2027 के लिए पीलीभीत में कंट्रोल रूम शुरू, टोल फ्री नंबर जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत । जनगणना-2027 के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने कलेक्ट्रेट परिसर में जनपद स्तरीय जनगणना सहायता नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर दी है। यह कंट्रोल रूम जनगणना कार्य समाप्ति तक लगातार संचालित रहेगा। जनगणना से जुड़ी किसी भी समस्या या जानकारी के लिए नागरिक टोल फ्री नंबर 05882-254116 पर संपर्क कर सकते हैं। कंट्रोल रूम को दो पालियों में चलाया जाएगा। प्रथम पाली (सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक) के नोडल अधिकारी जिला पंचायतराज अधिकारी रोहित भारती तथा द्वितीय पाली (शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक) के नोडल अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल किशोर सांगुड़ी को बनाया गया है। प्रशासन द्वारा अलग-अलग तिथियों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो प्राप्त शिकायतों को रजिस्टर में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों तक भेजेंगे और निस्तारण सुनिश्चित करेंगे। ड्यूटी में लापरवाही या अनुपस्थिति पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जनगणना से जुड़ी समस्याओं का समाधान तहसील, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत स्तर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर किया जाएगा। इसकी नियमित रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी। प्रशासन ने साफ किया है निगरानी करें।

बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए कि विद्यालयों में बच्चों को पूरी बांह के कपड़े पहनने के लिए

पराली जलाना अब पड़ेगा भारी, प्रशासन अलर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत । जनपद में फसल अवशेष जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। उप कृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार ने किसानों को चेतावनी देते हुए कहा है कि पराली जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है और ऐसा करने पर जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से जहां एक ओर मिट्टी की उर्वरता घटती है,

वहीं दूसरी ओर पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचता है। खेतों में मौजूद उपयोगी जीव-जंतु और मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं, जिससे फसल उत्पादन पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा धुएं से वायु प्रदूषण बढ़ता है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होता है। कृषि विभाग ने किसानों को पराली प्रबंधन के लिए आधुनिक यंत्रों के उपयोग की सलाह दी है। सुपर एसएमएस, हैप्पी सीडर, मल्चर, स्ट्रॉ रेक और बेलिंग मशीन जैसे उपकरणों से अवशेषों को आसानी से नष्ट कर खाद में बदला जा सकता है। इसके लिए कस्टम हायरिंग सेंटर और फार्म मशीनरी बैंक पर मशीनें किराये पर उपलब्ध हैं।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि अब पराली जलाने की निगरानी सैटेलाइट के माध्यम से की जा रही है। किसी भी खेत में आग लगाने की घटना दर्ज होते ही संबंधित किसान के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

निर्धारित प्रावधान के तहत 2 एकड़ से कम भूमि पर 2500 रुपये, 2 से 5 एकड़ पर 5000 रुपये और 5 एकड़ से अधिक भूमि पर 15000 रुपये प्रति घटना जुर्माना लगाया जाएगा। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे पराली को न जलाकर उसे खेत में मिलाकर खाद बनाएं, जिससे मृदा की गुणवत्ता बनी रहे और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

कोर्ट में बोली मुस्कान- न मैंने नीला ड्रम खरीदा और न मेडिकल स्टोर से बेहोश करने वाली दवा

यूपी के मेरठ स्थित ब्रह्मपुरी में मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर सौरभ की हत्या कर दी थी। शव को काटकर नीले ड्रम में भर दिया था। इसी मामले में मंगलवार को दोनों की मेरठ कोर्ट में पेशी हुई। मुस्कान अपनी थी।ब्रह्मपुरी के बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड हत्यारोपी मुस्कान रस्तोगी और साहिल कोर्ट में पूछ गए सवालों के ज्यादा जवाब कहा कि न उसने नीला ड्रम खरीदा और करने वाली दवा। इस दौरान मुस्कान की थी।सौरभ की हत्या को लेकर इतना की पेशी के दौरान वकीलों ने साहिल के वीडियो भी सोशल मीडिया पर दोनों हत्यारोपियों को कोर्ट में पेश नहीं से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी ने बयान दर्ज कराए हैं। जिला शासकीय कुमार चौबे ने बताया कि सौरभ हत्याकांड न्यायाधीश अनुपम कुमार की अदालत सुरक्षा संहिता की धारा 353 की कार्यवाही आरोपियों को कोर्ट में लाया गया। दोनों

बच्ची राधा को साथ लाई में मंगलवार को 13 महीने बाद शुक्ला की कोर्ट में पेशी हुई। में मुस्कान ने नहीं में दिए। उसने न ही मेडिकल स्टोर से बेहोश बेटी राधा उसकी गोद में आक्रोश था कि 19 मार्च को दोनों की पिटाई कर दी थी। इस घटना वायरल हुए थे। इसके बाद से किया जा रहा था। दोनों की जेल हो रही थी। इस केस में 22 गवाहों अधिवक्ता (डीजीसी) कृष्ण की सुनवाई जिला एवं सत्र में चल रही है। भारतीय नागरिक के लिए मंगलवार को दोनों से गवाहों के बयान और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने 15 से अधिक सवाल पूछे जा सकते हैं।तीन मार्च 2025 की रात सौरभ की हत्या कर दी गई थी। मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला पर ब्रह्मपुरी थाने में प्राथमिक की दर्ज की गई थी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा था। पुलिस ने जांच के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया था।न्यायालय में गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद अब नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 351 (पहले सीआरपीसी की धारा 313) की कार्यवाही चल रही गई। आरोपी अपनी सफाई में कोई गवाह या साक्ष्य नहीं दे पाए तो केस में अंतिम बहस शुरू होगी। न्यायालय के आदेश पर उन्हें कोर्ट में पेशी पर बुलाया गया। इस केस में इसी माह फैसला आ सकता है।

प्रेमी ने प्रेमिका की गला रेतकर की हत्या, फिर खुद को भी चाकू मारकर किया लहूलुहान

बिजनौर के गोकलपुर निवासी राहुल का प्रेम प्रसंग चार साल से कांशीराम कॉलोनी निवासी कशिश के साथ चल रहा था। राहुल शादीशुदा था और कशिश के लिए अपनी पत्नी व बच्चों को भी छोड़ दिया था। मंगलवार को उसने की कांशीराम कॉलोनी बैराज सामने आई है, जहां प्रेमी ने कर दी और बाद में खुद को के बाद से इलाके में सनसनी आरोपी राहुल गोकलपुर का के साथ उसका चार साल से में नया मोड़ तब आया जब के खिलाफ मुकदमा दर्ज राहुल पर पॉक्सो के तहत गया था और वह चार महीने था।हत्या का तरीका और मंगलवार को कशिश की मां राहुल प्रेमिका के घर पहुंचा कहासुनी हो गई। इसके बाद गला रेत दिया। राहुल ने खुद लिया। शोरशराबा सुनकर

कशिश की हत्या कर दी।बिजनौर रोड पर दिल दहला देने वाली घटना अपनी प्रेमिका की बेरहमी से हत्या भी चाकू से घायल कर लिया। घटना का माहौल है।जानकारी के अनुसार, रहने वाला है। मृतक प्रेमिका कशिश प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रेम कहानी प्रेमिका की मां ने पिछले साल राहुल कराया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 19 अक्तूबर को मामला दर्ज किया पहले दिसंबर में जेल से छूटकर आया पुलिस की जांच

पंजाब गई हुई थी। शाम के समय और किसी बात को लेकर दोनों में गुस्साए राहुल ने चाकू से कशिश का को भी चाकू मारकर घायल कर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था और कोई आवाज नहीं आ रही थी। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा, तो दोनों लहूलुहान पड़े थे। कशिश को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, आरोपी राहुल का इलाज चल रहा है और पुलिस उसकी निगरानी कर रही है। पारिवारिक पृष्ठभूमि और संबंध- शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी राहुल शादीशुदा है और प्रेमिका के चक्कर में उसने अपनी पत्नी और बच्चों को भी छोड़ दिया था। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

प्रेमी-प्रेमिका को उम्रकैद: छाती पर बैठ समीर ने घोंटा इमरान का गला, पत्नी ने पकड़े थे पैर; बेटे ने दिलाई सजा

मृतक इमरान का बेटा इस केस में मुख्य गवाह बना। उसी ने कोर्ट और परिजनों को बताया का मां और समीर ने मिलकर ही पिता इमरान की हत्या की थी। समीर ने छाती पर बैठकर अब्बू का मुंह दबा दिया, जबकि मां रुखसार ने उनके पैर पकड़े थे।

यूपी के हापुड़ स्थित बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में वर्ष 2024 में हुए इमरान हत्याकांड के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। पत्नी और उसके कथित प्रेमी द्वारा पति की हत्या करने के मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों को 50-50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। रुखसार ने समीर को कमरे में छिपाया जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) गौरव नागर ने बताया कि ग्राम छपकौली निवासी आबिद ने बाबूगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 27 अगस्त 2024 को गांव का ही रहने वाला समीर, इमरान के घर सुबह करीब 10 बजे पहुंचा था। दोपहर करीब दो बजे जब इमरान अपने घर लौटा, तो उसकी पत्नी रुखसार ने समीर को कमरे में छिपा दिया। इमरान को पहले से ही अपनी पत्नी और समीर के बीच अवैध संबंध होने का शक था। जब वह कमरे में गया, तो उसने समीर को देख लिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। इमरान की छाती पर बैठकर समीर ने की उसकी हत्या

आरोप है कि समीर ने इमरान की छाती पर बैठकर उसका मुंह दबा दिया, जबकि रुखसार ने उसके पैर पकड़ लिए। इस दौरान दम घुटने से इमरान की मौत हो गई। घटना का चश्मदीद इमरान का पुत्र विहान था, जिसने पूरी वारदात अपनी आंखों से देखी। उसने ही परिजनों को बताया कि उसके पिता की हत्या उसकी मां रुखसार और समीर ने मिलकर की है। इस बयान ने मामले को मजबूत आधार दिया। कोर्ट में पेश किए गए सबूत-मले की सूचना मिलने पर बाबूगढ़ पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। यह मामला जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार सिंह (प्रथम) की अदालत में विचाराधीन था। आजीवन कारावास और 50-50 हजार का दंड- मंगलवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने समीर और रुखसार उर्फ रुखसाना को दोषी ठहराया। न्यायालय ने दोनों को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 3(5) के तहत सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही प्रत्येक पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया।

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

संक्षिप्त समाचार

बिना किसान आईडी के भी होगी गेहूं खरीद, 123 क्रय केंद्र बनाए गए

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत । जिले में इस बार किसानों को बड़ी राहत देते हुए बिना किसान आईडी के भी गेहूं खरीद की व्यवस्था की गई है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी विजय कुमार ने बताया कि किसानों के पंजीकरण के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जो संबंधित अधिकारियों के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने बताया कि राजस्व गांवों में सत्यापन लेखपाल, तहसीलदार और उप जिलाधिकारी स्तर से किया जाएगा, जबकि चकबंदी गांवों में यह प्रक्रिया बंदोबस्त अधिकारी और चकबंदी विभाग के माध्यम से पूरी होगी। लेखपाल के स्थानांतरण की स्थिति में प्रोफाइल रीसेट और नई तैनाती के अनुसार मैपिंग की जाएगी। जनपद में कुल 123 गेहूं क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। सभी केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में बोरे उपलब्ध करा दिए गए हैं। किसानों से अपील की गई है कि गेहूं विक्रय के बाद ई-पॉप डिवाइस पर बायोमेट्रिक कराएं और ऑनलाइन पावती रसीद अवश्य प्राप्त करें।

दिव्यांग दम्पत्तियों को मिलेगा शादी पर आर्थिक प्रोत्साहन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत । दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के हित में दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत विवाह करने वाले पात्र दिव्यांग दम्पत्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के अनुसार, यदि दम्पत्ति में युवक दिव्यांग है तो ?15,000, युवती दिव्यांग होने पर ?20,000 तथा दोनों के दिव्यांग होने की स्थिति में ?35,000 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, योजना का लाभ उन्हीं आवेदकों को मिलेगा जिनकी दिव्यांगता कम से कम 40 प्रतिशत हो, वे जनपद के निवासी हों और वर-वधू में से कोई भी आयकरदाता न हो। साथ ही विवाह वित्तीय वर्ष 2025-26 से पूर्व संपन्न न हुआ हो। इच्छुक एवं पात्र दिव्यांगजन विभागीय पोर्टल ह्लह्लश्चह्य-//स्रद्ब14ड्डह्वद्धद्बड्डह्ल.ह्वश्चह्यस्त्र.द्दश1.द्बठ्ठ/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन पीलीभीत में कार्यदिवसों में संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन ने जनपद के अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों से योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

गर्मी का कहर: पीलीभीत में बदला स्कूलों का समय, सुबह लगेगी कक्षाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत । जनपद में लगातार बढ़ते तापमान और हीटवेव के खतरे को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने अहम निर्णय लेते हुए विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव कर दिया है। अब सभी परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं मान्यता प्राप्त विद्यालय सुबह 7~30 बजे से दोपहर 1~30 बजे तक संचालित होंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने बताया कि बच्चों की कक्षाएं सुबह 7~30 बजे से 12~30 बजे तक चलेंगी, जबकि शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी दोपहर 1~30 बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहेंगे और शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्य संपादित करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, प्रार्थना सभा/योगाभ्यास 7~30 से 7~40 बजे तक तथा मध्यावकाश 10~00 से 10~15 बजे तक रखा गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आदेश का सख्ती से पालन कराया जाए। यह नया समय तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है, जिससे विद्यार्थियों को तेज धूप और लू से राहत मिल सके।

राप्ती नदी में दो किशोरियों की डूबने से मौत, नहाते समय गहरे पानी में चली गई थीं

मृतकों की पहचान नारायणपुर निवासी गुलशना पुत्री छुटकऊ और अंशु देवी पुत्री धर्मराज के रूप में हुई है। दोनों गांव के पास बह रही राप्ती नदी में नहाने गई थीं। गहराई का अंदाजा नहीं लगा और चली गईं।सोनवा थाना क्षेत्र में राप्ती किशोरियों की डूबने से दुखद मौत मंगलवार को नारायणपुर गांव के पानी में चली गईं।मृतकों की पहचान गुलशना (14) पुत्री छुटकऊ और धर्मराज के रूप में हुई है। दोनों नदी में नहाने गई थीं। नहाते समय

नहाते समय उन्हें पानी की वे अचानक गहरे पानी में नदी में नहाते समय दो हो गई। यह घटना पास हुई, जहां दोनों गहरे नारायणपुर निवासी अंशु देवी (12) पुत्री गांव के पास बह रही राप्ती उन्हें पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा और वे अचानक गहरे पानी में चली गईं।आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर सुनकर तुरंत नदी में छलांग लगा दी। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों किशोरियों को नदी से बाहर निकाला। हालांकि, जब तक उन्हें बाहर निकाला गया, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। इस हृदय विदारक घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है। घटना की सूचना मिलते ही सोनवा थाना प्रभारी बिशुनदेव पांडेय टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। पंचनामा भरने के बाद उन्होंने दोनों किशोरियों के शव पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेजवा दिए।

फिरौती व डकैती के अपराध में फरार आरोपीगणों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया।

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। दिनांक 14.06.2025 को फरियादी पीतम जाटव की रिपोर्ट पर से थाना पोहरी पर अप. क्र. 166/26 धारा 140 (2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्रकरण में डकैती की धारा इजाफा की गई एवं पूर्व में आरोपीगण अनिल जाटव, जयराम जाटव, विनोद जाटव, मोहित जाटव को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया था। प्रकरण के अन्य 04 आरोपी घटना दिनांक से फरार थे। पुलिस

अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री आनंन्द राय के मार्गदर्शन में निरीक्षक रवि चौहान थाना प्रभारी पोहरी के द्वारा फरार आरोपीयों की पतारसी हेतु टीम बनाकर त्वरित कार्यवाही करते हुए दिनांक 20.04.2026 को उक्त प्रकरण में 10 माह से फरार आरोपीगण दीपक पुत्र रामदास जाटव उम्र 37 साल, सतेन्द्र उर्फ खन्ना पुत्र रामबाबू जाटव उम्र 25 साल निवासीगण ग्राम सङ थाना करैरा जिला शिवपुरी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। सराहनीय कार्यवाही ー – निरी रवि चौहान, उनि वीरेन्द्र परिहार, प्र. आर. 180 हृदेश पाराशर, आर. 1189 राजकुमार, आर.334 राघवेन्द्र, आर. 1134 अरविंद कुशवाह, आर. 313 मांगीलाल गुर्जर की विशेष भूमिका रही।

शिवपुरी में कलेक्टर का औचक निरीक्षण, बंद मिला स्कूल - DEO को नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी।कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने मंगलवार सुबह जिले के शासकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान शिक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आई, जिस पर कलेक्टर ने सख्त नाराजगी जताई है।

निरीक्षण के दौरान सिंहनिवास स्थित माध्यमिक विद्यालय में 5 शिक्षक अनुपस्थित पाए गए, जबकि खौरघार के शासकीय माध्यमिक विद्यालय पर ताला लगा मिला। सुबह 8 बजे तक विद्यालयों में अव्यवस्था और अनुशासनहीनता की स्थिति देख कलेक्टर ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी- स्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर अर्पित वर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही निर्देश दिए हैं कि सभी शिक्षक निर्धारित समय सुबह 7ー30 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

एसडीएम और तहसीलदारों को सख्त निर्देश- कलेक्टर ने जिले के सभी एसडीएम और तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में शासकीय विद्यालयों का सतत एवं औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों में व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने और शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी जरूरी है।निरीक्षण के क्रम में करैरा, पिछोर सहित विभिन्न क्षेत्रों के कई प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों का भी जायजा लिया गया।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जे.ई.ई. मेंस 2026 में प्रख्यात जायसवाल का परचम, 99.33 पर्सेंटाइल के साथ हासिल की बड़ी सफलता

क्यूँ न लिखूँ सच / बिश्रामपुर, सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के बिश्रामपुर क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण तब आया, जब एक साधारण परिवार के मेधावी छात्र प्रख्यात जायसवाल ने देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल जे.ई.ई. मेंस 2026 में शानदार सफलता हासिल कर अपने क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र में उत्साह और गौरव का माहौल बना दिया है। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई (छ.ग.) से वर्ष 2023-24 में कक्षा 10वीं उत्तीर्ण करने के बाद वर्तमान में जवाहर नवोदय विद्यालय ओझर, बड़वानी (म.प्र.) में कक्षा 12वीं के छात्र प्रख्यात ने 2 अप्रैल 2026 को आयोजित जे.ई.ई. मेंस परीक्षा में 99.33 पर्सेंटाइल हासिल करते हुए ऑल इंडिया रैंक 10,730 तथा ईडब्ल्यूएस वर्ग में 1,363 रैंक प्राप्त की है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (हृद्बञ्जह्य) में प्रवेश की मजबूत दावेदारी पेश की है और साथ ही 17 मई 2026 को होने वाली

जे.ई.ई. एडवांस परीक्षा के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है। ग्राम राई, बतरा निवासी प्रख्यात जायसवाल, पिता जितेंद्र जायसवाल और माता मीना जायसवाल के सुपुत्र हैं। सीमित संसाधनों के बीच पले-बढ़े प्रख्यात ने यह साबित कर दिया कि मजबूत इच्छाशक्ति, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी सफलता उन सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, जो कठिन परिस्थितियों में भी बड़े सपने देखते हैं। प्रख्यात ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों, मामाजी राजू जायसवाल तथा अपनी मार्गदर्शिका एवं मौसी, डीएवी बिश्रामपुर की हिंदी शिक्षिका सुश्री राजकुमारी जायसवाल को दिया है। उन्होंने बताया कि परिवार और शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन, अनुशासन और कठिन परिश्रम की सीख ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।

विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने भी प्रख्यात की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है। वहीं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और समाज के गणमान्य नागरिकों ने भी प्रख्यात को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्रख्यात की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। परिवार में जश्न का माहौल है और लोगों का तांता बधाई देने के लिए उनके घर पहुंच रहा है। अब सभी की निगाहें आगामी जे.ई.ई. एडवांस परीक्षा पर टिकी हैं, जिसमें प्रख्यात से एक और बड़ी सफलता की उम्मीद की जा रही है।

रीवा गौतम बस के आगे नतमस्तक हूए रीवा आरटीओ मनीष त्रिपाठी 500 लेकर छोड़ा बस

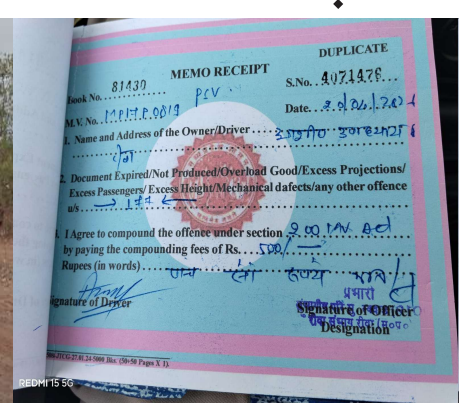

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रदीप कुमार तिवारी कार्यकारी संपादक/ रीवा गौतम ट्रैवल बस नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए रागें हाथ पकड़ कर आरटीओ ने महज ?500 की चलानी कार्रवाई करते हुए बस को छोड़ दिया रीवा में नियमों की खुली धज्जियांー ओवरलोडेड गौतम बस पकड़ी गई, सिर्फ ?500 में छूटा मामला! रीवा से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है, जहां यात्रियों की जान के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है।

ओवरलोडेड बसज खचाखच भरी सवारियांज और कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति! सवाल ये है कि क्या ?500 का चालान ही यात्रियों की जान की कीमत है? रीवा जिले में परिवहन नियमों की धज्जियां उड़ाने का एक बड़ा मामला सामने आया है। मामला गौतम बस (नंबर स्क्क17क 0819) का है, जो मऊगंज से रीवा की ओर आ रही थी। बताया जा रहा है कि बस में पहले से ही 10 से 15 यात्री खड़े थे, लेकिन रास्ते में लगातार और सवारियां चढ़ाई जाती रहीं।

हालात ऐसे हो गए कि बस पूरी तरह ओवरलोड हो गई,और ?25 से लेकर तीस सवारी स्टैंडिंग हो गए जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। इस दौरान पत्रकार राज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार तिवारी ने खुद बस में बैठकर हालात का जायजा लिया और तुरंत रीवा ऋ्ञह्र अधिकारी मनीष त्रिपाठी को फोन के जरिए सूचना देने की कोशिश की।

कई बार कॉल करने के बावजूद फोन रिसीव नहीं हुआ, जिसके बाद व्हाट्सएप कॉल में बात की गई और वीडियो के जरिए पूरी स्थिति बताई गई। ऋ्ञह्र की ओर से आश्वासन दिया गया कि बस को रायपुर कर्चुलियान के पास रोका जाएगा, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि बस चालक ने रोकने के प्रयास को नजरअंदाज करते हुए बस को दौड़ाना जारी रखा।

इसके बाद ऋ्ञह्र टीम के साहब सिंह बघेल ने फिल्मी अंदाज में करीब 5 मिनट के अंदर बस को आगे जाकर रोका। बस में भारी भीड़ और खड़े यात्रियों के चलते मौके पर हंगामा भी देखने को मिला। यात्रियों ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि रोजाना इसी तरह ओवरलोडिंग की जाती है। गंभीर बात यह है कि इतनी बड़ी लापरवाही के बावजूद बस पर सिर्फ ?500 का चालान कर उसे छोड़ दिया गया। जबकि अनुमान लगाया जाए तो ओवरलोडिंग से बस मालिक को 2500 से 3000 रुपये तक का अतिरिक्त फायदा हुआ। मुद्दा और सवाल - अब सवाल ये उठता है- क्या ?500 का चालान ही कानून का डर है? क्या ऋ्ञह्र विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है?

आखिर यात्रियों की जान की जिम्मेदारी कौन लेगा-बस मालिक या आर टी ओ रीवा प्रशासन? अगर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। आपको आगे अवगत कराते चले कि विगत वर्षों में एक बस नहर में समा गई थी ड्राइवर की गलती एवं ओवरलोडिंग के चलते जिसमें काफी जिंदगियां काल के मुंह में समा गई थी रीवा आरटीओ अगर समय रहते नहीं जागा तो बड़ी घटना कभी भी हो सकता है बस संचालकों से और आरटीओ के बीच में आखिर इतना प्रेम क्यों है यह सोचने का विषय है

जनसुनवाई में 145 आवेदन प्राप्त, मौके पर 77 आवेदनों का निराकरण, कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा, विदिशा जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिलेभर से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 145 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 77 आवेदनों का निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदकों को समयबद्ध रूप से समाधान उपलब्ध कराया जाए। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव था, उनका मौके पर ही निराकरण कर आवेदकों को राहत प्रदान

की गई। जनसुनवाई में प्रस्तुत इन सभी आवेदनो पर निराकरण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं, ताकि समय-सीमा में सभी आवेदनों का निराकरण हो सके। जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने-अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। जनसुनवाई के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। जनसुनवाई के दौरान विदिशा नगरीय क्षेत्र की पूरनपुरा की निवासी श्रीमती पुष्पा बाई पत्नि स्वर्गीय श्री तीरथ कुशवाह के द्वारा भूमि का सीमांकन कराए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया। मौके पर ही संबंधित तहसीलदार को सीमांकन हेतु नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नटेरन तहसील के ग्राम चुल्हेटा निवासी साजाबाई ने प्रार्थी के उपयोग की जमीन पर ससुर के द्वारा किए जा रहे कब्जे की जमीन को वापिस दिलवाने का आवेदन दिया।

ग्राम जरौली में जल प्याऊ एवं पक्षियों के लिए जल पात्र रखे गये

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/पठारी द्य मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देश अनुसार प्रस्फुटन ग्राम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति जरौली ने ग्राम जरौली में जन हित में नई पहल शुरू की है द्य समिति ने आम जन के लिए बढ़ती गर्मी में ठंडा जल पिलाने के उद्देश्य से प्याऊ का शुभारंभ किया द्य इसी के साथ पक्षियों के लिए

भी ठंडा जल पिलाने के लिए जल पात्र रखे जिससे बढ़ती गर्मी में उन्हें भी ठंडा जल पिने के लिए मिल सके द्य इस कार्यक्रम में उपस्थित चितर सिंह यादव, नवांकुर संस्था से जीवन सिंह, हरि सिंह, सरदार सिंह, अनिल, रिपेंद्र, अमित, कृष्णा, विजेंद्र, कुंदन, बड़ी संख्या में स्थानीय नान्ने नान्ने बच्चें भी उपस्थित रहे सभी लोगो में नई पहल की उमंग देखने को मिली द्य सभी ने ठंडा जल की प्याऊ का आनंद लिया द्य

संक्षिप्त समाचार

हीट वेव का कहर जारी, दिन-रात तप रहा शहर, न्यूनतम तापमान 24 डिग्री पहुंचा

जिले में हीट वेव का असर लगातार तेज होता जा रहा है। सोमवार को भी भीषण गर्मी और गर्म हवा के थपेड़ों ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। दिन में चिलचिलाती धूप के साथ अब रात का बढ़ता तापमान भी लोगों को राहत नहीं लेने दे रहा है। हालात ऐसे हैं कि दिन के साथ-साथ रात में भी गर्मी से निजात नहीं मिल पा रही है और लोग लगातार परेशान हैं। सोमवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान बढ़कर 24 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। न्यूनतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी के चलते रात में भी गर्मी का असर बना हुआ है, जिससे लोगों को सुकून नहीं मिल पा रहा है। सुबह से ही तेज धूप ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे। दोपहर के समय गर्म हवा के चलते सड़कों पर सन्नाटा नजर आया। जरूरी काम से ही लोग घरों से बाहर निकले, जबकि अधिकांश लोग धूप से बचने के लिए घरों में ही रहे। गर्मी का असर बाजारों में भी साफ देखा गया। दोपहर के समय दुकानों पर ग्राहक कम नजर आए। वहीं ठंडे पेय, जूस और आइसक्रीम की दुकानों पर लोगों की भीड़ बढ़ गई है। कूलर और एसी की मांग में भी तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान बढ़कर 24 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। न्यूनतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी के चलते रात में भी गर्मी का असर बना हुआ है, जिससे लोगों को सुकून नहीं मिल पा रहा है। सुबह से ही तेज धूप ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे। दोपहर के समय गर्म हवा के चलते सड़कों पर सन्नाटा नजर आया। जरूरी काम से ही लोग घरों से बाहर निकले, जबकि अधिकांश लोग धूप से बचने के लिए घरों में ही रहे। गर्मी का असर बाजारों में भी साफ देखा गया। दोपहर के समय दुकानों पर ग्राहक कम नजर आए। वहीं ठंडे पेय, जूस और आइसक्रीम की दुकानों पर लोगों की भीड़ बढ़ गई है। कूलर और एसी की मांग में भी तेजी देखने को मिल रही है।आगे और बढ़ेगी गर्मी- मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना है। ऐसे में हीट वेव का असर और तेज हो सकता है, जिससे लोगों को फिलहाल राहत मिलने के आसार कम नजर आ रहे हैं। 25 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की संभावना है।

तराई इलाके में साठा धान की रोपाई शुरू, भूजल स्तर गिरने से जल संकट की चिंता

लखीमपुर खीरी के तराई क्षेत्र में साठा धान की रोपाई का सिलसिला शुरू हो गया है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि

की उम्मीद है। हालांकि, इस फसल में अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे गिरने की चिंताएं बढ़ गई हैं। कृषि विशेषज्ञ और स्थानीय लोग इस स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त कर रहे हैं, जो भविष्य में जल संकट का कारण बन सकती है।धौरहरा क्षेत्र के कफारा, टापरपुरवा और गोसाइनपुरवा समेत आसपास के गांवों में किसान गेहूं की कटाई के तुरंत बाद खेतों में साठा धान की रोपाई में जुट गए हैं। इन दिनों खेतों में किसानों और मजदूरों की चहल-पहल बढ़ गई है। किसान तेजी से रोपाई का कार्य कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि साठा धान की फसल कम समय में तैयार हो जाती है। इससे उन्हें एक ही सीजन में दो बार धान की खेती का मौका मिलता है। पहली फसल काटने के बाद अगस्त माह में दोबारा धान की रोपाई कर ली जाती है। यह दोहरी फसल उनकी आमदनी में इजाफा करती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। भूजल स्तर पर बढ़ता दबाव- कृषि विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों ने साठा धान की खेती को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि इस फसल में अत्यधिक सिंचाई की जरूरत होती है। इससे क्षेत्र में भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। यदि इसी तरह साठा धान की खेती बढ़ती रही, तो आने वाले समय में जल संकट गहरा सकता है। यह स्थिति पर्यावरण और कृषि दोनों के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकती है। जल संरक्षण के उपाय अनिवार्य- कृषि विभाग के जानकारों का कहना है कि किसानों को साठा धान के साथ-साथ जल संरक्षण के उपाय अपनाने चाहिए। वैकल्पिक फसलों और कम पानी वाली तकनीकों को बढ़ावा देकर ही भूजल स्तर को संतुलित रखा जा सकता है। विभाग ने किसानों से ऐसी पद्धतियों को अपनाने का आग्रह किया है। इससे न केवल पानी बचेगा, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहेगी।

Have these false claims about the liver left you confused? Learn the real facts.

The liver is one of the most vital organs in our body. Many misconceptions about liver health are prevalent, causing confusion and unnecessary anxiety. Let's explore some common misconceptions about the liver. Do you often experience stomach pain, poor digestion, or a yellowing of the face and eyes? Be careful, these could be signs of liver disease that require serious attention. Ignoring liver problems can worsen your overall health. Lifestyle and dietary imbalances have severely damaged the liver, leading to the rise of serious liver-related problems like fatty liver, hepatitis, cirrhosis, and liver failure. Health experts say that excessive consumption of processed and junk foods, alcohol, obesity, and a sedentary lifestyle are making even younger people vulnerable to liver diseases. World Liver Day is celebrated every year on April 19th to raise awareness about liver diseases and educate people about their early detection and treatment. Misinformation is dangerous to liver health. Doctors say that the real threat to liver health is not just the disease itself, but the misinformation surrounding it. Many myths and misinformation about the liver have become ingrained in people's minds, and we often believe them to be true. This can deter you from proper treatment. Therefore, it's crucial to stay informed about liver health and understand the difference between true and false information. Keeping these concerns in mind, the theme for this year's Liver Day is "Solid Habits, Strong Liver." Let's explore some such myths related to the liver. Separate diets and drinks are necessary for liver detoxification. While it's true that the liver plays a vital role in removing toxins from the body, it doesn't require a specific diet or cleanse to function properly. The liver automatically removes toxins from the body through processes like filtering blood and producing bile. Instead of detox diets or drinks, focus on a balanced diet. Fruits, vegetables, low-fat protein, and whole grains are enough to keep the liver healthy. Alcohol is the only cause of liver damage. Excessive alcohol consumption is absolutely true. It can cause diseases like steatotic liver disease, hepatitis, and cirrhosis, but these are not the only causes. You may have congenital liver disease or it can be caused by what you eat and drink. You may also have autoimmune liver disease. Infections like hepatitis can cause serious liver problems. Liver damage often causes immediate symptoms. Liver problems don't necessarily cause any significant problems immediately. Often, the liver continues to function normally even with significant damage. However, it's important to be aware of certain signs. Symptoms like fatigue, yellowing of the skin (jaundice), abdominal pain and swelling can appear only when the liver has already suffered significant damage. Regular check-ups are essential for early detection and prevention of liver problems. Supplements can prevent liver disease Doctors say that there is no magic pill or supplement that can cure liver disease on its own or prevent its damage. In fact, many supplements can also have a negative impact on liver health. Always consult your doctor before starting any new medicine or diet on your own.

What should you keep in mind when applying stick-on nails? Get a parlor-like look at home?

Before applying stick-on nails, keep your nails clean and dry, choose the right size, use a good glue, and avoid water for a while after application. This ensures long-lasting nail extensions and protects your natural nails. Stick-on nails are a rapidly growing trend in the beauty and fashion world. It's now incredibly easy to achieve beautiful and stylish nails in just a few minutes, without going to a parlor. This is a great option, especially for women who struggle with busy lifestyles and can't find time for nail art. Stick-on nails not only save time, but are available in a variety of designs, colors, and patterns, allowing you to change your look for every occasion. However, it's crucial to apply them correctly, as they can easily peel off or even damage your natural nails. In this article, we'll explain the important things to keep in mind when applying stick-on nails and how you can easily apply them at home. If you want your nails to last longer and look perfect, these tips will be extremely helpful. Nail cleanliness is crucial: Clean your nails thoroughly before applying stick-on nails. Any oil or dirt can prevent them from sticking properly. It's best to use a mild nail polish remover. Choose the right size: Every nail is different, so ensure proper fit when choosing stick-on nails. Nails that are too long or too short can ruin the look and cause them to peel off quickly. Use good-quality glue: Using quality glue is essential for long-lasting nails. Low quality glue can loosen the nails quickly and may require repeated repairs. Take special care after application - Avoid water for at least 1-2 hours after applying stick-on nails. This helps the glue set properly and the nails last longer. Don't be hasty while removing - While removing fake nails, don't pull them forcefully. This can weaken your real nails. Remove them slowly with the help of lukewarm water or remover.

Yoga is effective for PCOD, periods, and menopause; even doctors acknowledge its benefits.

Yoga helps alleviate symptoms of PCOD, irregular periods, and menopause. It is considered effective in balancing hormones, reducing stress, improving blood circulation, and improving mental health. Women today are facing more problems related to hormonal imbalances than ever before. PCOD, irregular periods, and menopause are the most common. These problems impact not only physical but also mental health. In addition to medication, it is crucial for women to adopt a natural and safe approach to these health problems: yoga. Yoga not only keeps the body fit but also helps balance hormones, reduce stress, and provide mental peace. In today's article, we will explore how yoga can provide relief from problems like PCOD, periods, and menopause. We will also learn about some simple yoga asanas and their benefits that you can incorporate into your daily routine. If you also want to improve your health without any side effects, this information can prove to be extremely useful for you. Effect of Yoga in PCOD - PCOD is caused by hormonal imbalance in women. Yoga poses like Bhujangasana and Baddha Konasana help maintain hormonal balance in the body. Regular yoga helps keep weight under control, which is crucial in PCOD management. How appropriate is yoga during periods? Doing light yoga poses like Balasana and Bitilasana during periods can provide relief from abdominal pain, cramps, and fatigue. However, strenuous yoga poses should be avoided during this time. Benefits of Yoga in Menopause - During menopause, women may experience hot flashes, in which a sudden intense heat is felt in the upper body, such as the face, neck, and chest, mood swings, and sleep problems. Yoga and Pranayama help reduce these symptoms and provide mental peace. Role of Yoga in Stress and Hormone Balance - Stress is a major cause of hormonal problems. Yoga and meditation relax the body by lowering cortisol levels, which improves hormonal balance and promotes healthy functioning. Benefits of practicing yoga daily: Doing yoga for 20-30 minutes daily not only helps regulate periods but also improves overall health. It boosts immunity and strengthens the body from within.

Why did Ali Asgar leave the role of Dadi on The Kapil Sharma Show? The actor revealed something quite disturbing.

Ali Asgar is known for his role as Dadi on "Comedy Nights with Kapil," but what happened that led him to leave the show? Let's find out. Ali Asgar played Dadi for a long time on "Comedy Nights with Kapil." In a recent interview, he revealed why he left the show. He also explained why he no longer plays female characters on screen. What did Ali say about leaving the show? Ali revealed all this in a recent interview with Manish Paul. Ali Asgar recalled a period in his career when he was only doing drag roles and realized, "This is all I'm doing." Ali said, "People watching this might say, 'Is this crazy?' He he leave it? But at that time, Why did Saturdays and Sundays, and I 'Comedy Circus' aired on in both acts. Gradually, I developed played a female character easier for the writers, too, and they that image. It became for me again and again.' The real kept writing female roles female characters: Ali felt his full reason for not playing utilized. He wanted to grow as an potential wasn't being I felt bad and felt like I didn't want actor. He said, "Sometimes do more. I would say, 'Give me a to do just this. I wanted to If you don't like it, let me know chance, at least let me try. doing all this because I needed work. later.'" He added, "I kept have to think about all this." He also This is my livelihood. You being replaced if he refused. revealed that he feared Ultimately, Ali explained that he was forced to keep playing the same type of character until his children complained. He revealed that his on-screen roles led to his children being bullied.

"We and our prayers"; Nayanthara and Vignesh Shivan seen spending quality time with their children; shared photos

Actress Nayanthara shared some photos on her social media account. These are family photos, in which she and Vignesh are seen spending beautiful moments with their children. Fans love the pairing of South cinema's lady superstar Nayanthara and Vignesh Shivan. The actress often shares glimpses of her personal life and family photos on social media. Today, Saturday, the actress shared a post in which she and Vignesh can be seen spending precious moments with their twins. Nayanthara shared family photos - Nayanthara shared a post on her Instagram account. The photos show Nayanthara, Vignesh Shivan, and their children, Uyir and Ulagam. The twins are wearing matching green shirts. Nayanthara is seen in black trousers and a white shirt with a blue print. Vignesh can be seen in a black T- shirt and trousers. Nayanthara captioned the photos, "We and our prayers." Fans showered Nayanthara with love. Netizens are reacting to Nayanthara's post. Users are showering their children with love and blessings, and praising Nayanthara's look. One user wrote, "Lady superstar's mom avatar." Some wrote, "May no evil eye fall on your family. May happiness continue." Nayanthara and Vignesh's wedding: Nayanthara and Vignesh Shivan were married in June 2022. Four months after their wedding, the couple welcomed twin sons. It's worth noting that the couple's children were born via surrogacy. On the work front, Nayanthara will be seen in Yash-starrer "Toxic." Nayanthara will also be seen in an upcoming Salman Khan film. Nayanthara is a big name in the South Indian film industry and made her Bollywood debut in 2023 with Shah Rukh Khan's film Jawaan. In this film, she appeared in an action avatar and won the hearts of audiences.

'Cockroaches in the food, rats in the kitchen'; Sonali Raut makes serious allegations against Bigg Boss Marathi; sends notice

Sonali Raut has made several major revelations about Bigg Boss Marathi 6. She has also sent a legal notice to the makers, accusing them of unhygienic living conditions. Actress Sonali Raut has accused the producers of Bigg Boss Marathi Season 6 of unhygienic living conditions during the show. She claims the poor environment caused her to develop an itchy skin condition. She alleged filth and dead rats and cockroaches in everything from the kitchen to the washroom. Sonali shared videos on social media showing rashes and marks on her body, including her back, arms, legs, and torso. 17 contestants shared the same washroom. Sonali Raut shared a post on Instagram, describing the deplorable conditions, including rats gnawing on groceries in the kitchen and cockroaches in the food. In the post, Sonali shared photos of herself, showing the rashes, scars, and spots on her body. She explained that as punishment, only one washroom was available for 17 contestants. People smoked and ate amidst garbage and dead rats. Due to a lack of facilities, contestants had to share each other's napkins and towels. It's time for the makers to be held accountable. Sonali captioned her video, "Behind the glamour lies a dark truth of exploitation. I entered Bigg Boss Marathi Season 6 with confidence, but left with a contagious disease. It was a terrifying experience, living with rats and cockroaches in the kitchen. I was forced to share even basic items like towels and razors, which led to a serious skin infection. No one should have to choose between their career and their health." Now is the time to hold the producers accountable.' Sonali sent a legal notice to the makers also highlighted the lack of essential items like enough toothbrushes and razors, which the contestants had to share among themselves. She said that the electronic instruments were not maintained properly. Some of the instruments even had stickers of former Bigg Boss Hindi contestants pasted on them. According to reports, Sonali has sent a legal notice to the producers of the show demanding accountability for the circumstances she had to face. There has been no response from the makers of Bigg Boss Marathi Season 6 on these allegations yet. The finale of the show is scheduled to be telecast on Sunday, April 19.